जोड़बीड़ में वल्चर ब्रीडिंग सेंटर की स्थापना के प्रयास किए जायेंगे : मेघवाल

बीकानेर, (कासं)। केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि बीकानेर का जोड़बीड़ क्षेत्र गिद्ध संरक्षण के लिए पूरी दुनियां में विशेष पहचान रखता है। यहां सात दुर्लभ प्रजातियों के गिद्ध प्रतिवर्ष अक्टूबर से मार्च तक आते हैं। इसके मद्देनजर यहां 'वल्चर ब्रीडिंग सेंटर' की स्थापना की दिशा में कार्य किया जायेगा।

मेघवाल ने सोमवार को जोड़बीड़ में वंदे गंगा, जल संरक्षण जन अभियान तथा लव कुश वाटिका के लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। मेघवाल ने कहा कि वर्तमान में हरियाणा, असम, पश्चिम बंगाल और मध्यप्रदेश सहित देश के चार राज्यों पर वल्चर ब्रीडिंग सेंटर संचालित हैं। बीकानेर में यह केन्द्र स्थापित हो, इसके लिए उच्च स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लगभग चार करोड़ रूपए की लागत से यह केन्द्र बीकानेर में खुलने से क्षेत्र को गिद्ध संरक्षण के क्षेत्र में नई पहचान मिलेगी।

केन्द्रीय विधि मंत्री अर्जुनराम मेघवाल व राज्य के वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने जोड़बीड़ में लव कुश वाटिका का लोकार्पण किया।

- वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत पौधारोपण कर लव कुश वाटिका का लोकार्पण किया

मेघवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा जल संरक्षण और ऐतिहासिक जल संग्रहण केन्द्रों के संरक्षण का बीड़ा उठाया गया है। इसके दूरगामी परिणाम सामने आयेंगे। उन्होंने कहा कि पंचतत्व में जल का 72, वायु का 6, अग्नि का चार, पृथ्वी का 12 तथा आकाश का हिस्सा 6 प्रतिशत है। इसमें जल सबसे महत्वपूर्ण है। हमारे पूर्वज पानी की कीमत समझते थे तथा विभिन्न कार्यों में जल के उपयोग की सीमा भी निश्चित थी।

मेघवाल ने कहा कि आज के दौर में पेयजल का अपव्यय रोकना सबसे जरूरी है। जल का दुरूपयोग करने वाले को जल संरक्षण के लिए प्रेरित करना जरूरी है। मेघवाल ने कहा कि जोड़बीड़ प्राकृतिक सौन्दर्य से भरपूर स्थान है। यहां लव कुश वाटिका स्थापित होने से यह पर्यटन स्थल के रूप में भी विकसित होगा।

उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को इसका अवलोकन करवाने का आव्हान किया तथा कहा कि यहां विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जाएं, जिससे आमजन को इसके महत्व की जानकारी हो सके। मेघवाल ने जाल के पेड़ का महत्व बताया और कहा कि जाल का पेड़, बाबा रामदेव जी, हड़बूजी, गुरू जंभेश्वर भगवान सहित सभी लोक देवताओं के प्रिय वृक्षों में था। यह पेड़ वर्ष के बारह महीने हरा भरा रहता है। इस दौरान मेघवाल ने 'म्हारे हरिये वन रा सुवटिया, थाने राम मिले तो कईजे रे' भजन सुनाया तथा इसके महत्व के बारे में जानकारी दी।

वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के हरियालो राजस्थान संकल्प को मूर्त रूप देने के लिए वन विभाग पूरी मुस्तैदी से कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 5 जून 2024 को 'एक पेड़ मां के नाम' लगाने का आव्हान किया। भारत सरकार द्वारा राज्य को 3 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य दिया गया। मुख्यमंत्री ने इसे बढ़ाते हुए 7 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा। जबकि वन विभाग और राज्य सरकार के अन्य विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं और आमजन के सहयोग से गत वर्ष प्रदेश में 7 करोड़ 22 लाख पौधे लगाये गए।

शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में इसका उल्लेख करते हुए कहा कि संगठन की शक्ति और आमजन के कार्य करने का तरीका देखना है तो राजस्थान की जनता से सीखें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति पेड़ लगाएं और जिस प्रकार एक मां अपने बालक की देखभाल करती है। उसी प्रकार पौधे के वृक्ष बनने तक उसकी चिंता करें और उसकी देखभाल कर बड़ी सौगात दी जा सकेगी। शर्मा ने कहा कि वंदे गंगा, जल संरक्षण जन अभियान, विश्व पर्यावरण दिवस गंगा दशहरा के दिन प्रारंभ हुआ।

मुख्यमंत्री ने प्रत्येक प्रदेशवासी से पौधे लगाने, पोखर जोहड़, तालाब और नदियों का संरक्षण करने तथा प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जल की एक-एक बूंद बचाकर हम बड़ा काम कर सकते हैं, क्योंकि जल प्राकृतिक रूप से ही प्राप्त होता है। इसके मध्यनजर इसका संरक्षण बेहद जरूरी है। मेघवाल और संजय शर्मा ने त्रिलोक चंद बाफना, शिल्पा कच्छावा, करणी सिंह, शुभम कलवानी, भूरजी नायक, डॉ. करण पुरोहित, सीताराम, कोजाराम, राजवीर सिंह तथा कमल राजपुरोहित का वन और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने पर सम्मान किया।

पानी के लिए किसानों का धरना-प्रदर्शन

श्रीगंगानगर, (कासं)। गंगनहर में राजस्थान के हिस्से का पूरा पानी दिलाने की मांग को लेकर श्रीकरणपुर विधायक रूपिंदर सिंह कुन्नर के नेतृत्व में किसानों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सोमवार से कलेक्ट्रेट के सामने अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया।

जिले भर से बड़ी संख्या में किसान धरने में शामिल हुए। कांग्रेस के चारों विधायक, पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी आंदोलन में मौजूद रहे। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि सिंचाई पानी की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो 17 जून को जिले भर में ट्रेनें रोकी जायेगी और चक्का जाम किया जायेगा।

धरने की शुरूआत विधायक कुन्नर ने महाराजा गंगासिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके की। इसके बाद वे धरनास्थल पहुंचे। किसान महाराजा गंगासिंह चौक से सेंट्रल जेल तक टैंट लगाकर डटे हुए हैं। भगतसिंह चौक से कलेक्ट्रेट की ओर जाने वाला रास्ता पूरी तरह बंद हो गया है। धरनास्थल पर किसानों ने अहमदाबाद विमान हादसे में मारे गए लोगों को मौन रखकर श्रद्धांजलि भी दी।

धरने में किसानों ने बताया कि गंगनहर में इस समय आधे से भी कम पानी मिल रहा है। बीबीएमबी ने जून माह के लिए राजस्थान और पंजाब दोनों को 2500-2500 क्यूसेक पानी निर्धारित किया था। लेकिन पंजाब 3000 क्यूसेक से ज्यादा पानी उठा रहा है। राजस्थान को बीकानेर कैनाल के आरडी 45 से केवल 723 क्यूसेक पानी मिल रहा है। खखां हैड तक पहुंचते-पहुंचते यह घटकर 400 क्यूसेक रह जाता है।

सार-समाचार

'मोहर्रम से पहले टूटी सड़कें सुधारें'

मोहर्रम पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए जिला पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सागर को मुस्लिम महासभा ने ज्ञापन सौंपा।

बीकानेर, (कासं)। मोहर्रम का त्योहार 06 जुलाई को (चांद दिखाई देने अनुसार) होगा। मुस्लिम महासभा के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष एन. डी. कादरी ने बताया कि जिला कलेक्टर एवं जिला पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देकर हर वर्ष की भांति मुस्लिम मोहल्लों में हर वर्ग धार्मिक आस्था के कारण रात भर आवागमन रहने और जहां जहां मोहर्रम कयाम करेंगे तथा जहां से ताजिये निकल कर विभिन्न स्थानों से गस्त एवं कर्बला जायेंगे। वहां की सड़कों की हालत खस्ताहाल है। थोड़ी थोड़ी दूरी पर सड़कें टूटी पड़ी है। बहुत खराब स्थिति में है। कादरी ने बताया कि हुसैनी मस्जिद के पास से बड़ी कर्बला से मोहम्मद जिक्र कादरी के मकान के आगे से कर्बला तक जहां मोहर्रम दफन किए जाने हैं। वहां सड़क का बुरा हाल है। पूरी तरह से टूटी पड़ी है। टैगोर स्कूल के पास से पुरानी गजनेर रोड़ पुलिया के पास तक सड़क टूटी पड़ी है। कादरी ने बताया कि जहां शहर में सबसे ज्यादा ताजिये बनाए जाते हैं। यहां बनाए गए ताजियों की पूरे शहर के लोगों की हिंदू मुस्लिम एकता की मिसाल देखने को मिलती है। ज्ञापन देने वालों में अनवर अजमेरी, इस्माइल खिलजी, प्रफुल्ल हटीला पूर्व पार्षद वार्ड 71, अलीमुद्दीन जामी, शाकिर हुसैन, मास्टर अब्दुल सत्तार, चांद मोहम्मद राणा, मोहम्मद शोयब, मोहम्मद रिहान, मोहम्मद जुनैद आदि लोग उपस्थित थे।

बिजली सप्लाई शुरू करने की मांग

कांग्रेस देहात अध्यक्ष विश्नाराम सियाग ने जेवीवीएनएल के अतिरिक्त मुख्य अभियंता अधीक्षण को ज्ञापन सौंपा।

बीकानेर, (कासं)। जिला कांग्रेस कमेटी देहात अध्यक्ष बिशनाराम सियाग के नेतृत्व में सुरपुरा ग्रामवासी नागरिकों ने बिजली सप्लाई नहीं होने की समस्या से परेशान किसानों ने भामटसर जीएसएस से सुरपुरा जीएसएस को अलग से ट्रांसफार्मर लगाकर विद्युत लाइन जोड़ने के लिए जेवीवीएनएल के अतिरिक्त मुख्य अभियंता अधीक्षण को ज्ञापन सौंपा। स्थानीय किसान बिजली सप्लाई नहीं होने से भयंकर परेशानी का सामना करने को मजबूर हो रहे है। पीने के पानी से लेकर किसानों को खेती करने से भी वंचित रहना पड़ रहा है। सियाग ने अधीक्षण अभियंता से कहा कि भामटसर से सुरपुरा तक की विद्युत लाइन का कार्य लगभग पूरा हो चुका है, केवल आधा किलोमीटर लिंक लाइन बची हुई है, जिसका कार्य पिछले 15-20 दिनों से रूका हुआ है। सियाग ने चेतावनी दी कि आगामी सात दिवस में कार्य पूर्ण करवाकर विद्युत सप्लाई चालू करें अन्यथा पीड़ित ग्रामीणों को साथ लेकर आन्दोलन के लिए मजबूर होंगे। जिला संगठन महासचिव मार्शल प्रहलाद सिंह ने बताया कि ज्ञापन सौंपने और वार्ता में सुरपुरा के मदनलाल भांभू, मूलाराम भांभू, पूनमचन्द भांभू, दुलाराम खाती, बृजलाल खाती, आदुराम भांभू, पूनमचन्द प्रजापत, श्रवण जाट, मांगीलाल जाट, ओमप्रकाश जाट, पुरखाराम महिया, गणेशाराम माहिया, पदमाराम पचार, चेनाराम गर्ग, चोखाराम माहिया, संजय रलिया, सोहन नाई सहित अनेक किसान मौजूद थे।

सूरसागर मार्ग अंधेरे में डूबा

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर की ऐतिहासिक पहचान जूनागढ़ और सूरसागर झील के बीच का मुख्य मार्ग बीते कई महीनों से अंधेरे में डूबा हुआ है। न सिर्फ स्थानीय नागरिक बल्कि देशी-विदेशी पर्यटक और श्रद्धालु भी रोजाना इस अव्यवस्था का शिकार हो रहे हैं। इस वीआईपी मार्ग पर लगी स्ट्रीट लाइटें लम्बे समय से बंद पड़ी है। इस अंधेरे के कारण जहां श्रद्धालुओं और पर्यटकों को रात के समय भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं असामाजिक तत्वों के सक्रिय होने का भी खतरा बढ़ गया है। जूनागढ़ के अंदर स्थित गणेश मंदिर में हर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रहती है, लेकिन प्रशासन ने शायद आंखें मूंद रखी है। आश्चर्य की बात यह है कि संबंधित अधिकारियों को इस समस्या की जानकारी होने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई है। यह मार्ग न केवल धार्मिक और पर्यटन दृष्टि से अहम है, बल्कि यह तीर्थ स्तंभ से विभिन्न मार्गों को जोड़ता है। अधिकारी इसे लेकर गंभीर नहीं हैं। कोटगेट एरिया से शैलेंद्र कच्छावा की रिपोर्ट पूर्व विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 49 में बांद्रा बास से इंडस्ट्रियल एरिया को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग इन दिनों दुर्दशा का शिकार है। सीवर कार्य के नाम पर खुदाई के बाद अधूरा काम छोड़ने से रास्ता कीचड़, पानी और गड्ढों में बदल गया है। सड़क और नाली सीवर लाइन डालने वाली टेक्नो क्राफ्ट वेंचर्स कंपनी द्वारा तोड़ी गई थी। काम अधूरा छोड़कर कंपनी के कार्मिक गायब हो गए। स्थानीय निवासियों ने बताया कि सीवर लाइन के नाम पर चैम्बर बदले जाने के बहाने नाली और सड़क को पूरी तरह तोड़ दिया गया और फिर काम अधूरा छोड़ दिया गया।

सरकारी जमीन के कब्जे हटाने पर सियासत शुरू

बीकानेर, (कासं)। बीडीए लगातार सरकारी जमीन पर कब्जे हटाने में जुटा है। कब्जे हटाने के दौरान भूमाफियाओं के ऐसे-ऐसे खेल सामने आए जिससे बीडीए भी हैरान है। खुद की जमीन की रजिस्ट्री कराकर लोगों को सरकारी जमीन पर कब्जा दिला दिया और लोगों ने बिना जांच किए लाखों रूपए लगाकर मकान बना लिए। अब उसमें सियासतदान कूद पड़े हैं।

बिना कुछ जमीनी हकीकत पता किए सियासतदान सीधे प्रशासन को कार्रवाई रोकने के लिए कह रहे हैं। कार्रवाई का विरोध करने वालों का साथ किसी और को न मिल जाए। इस डर से नेताओं में होड़ लग गई कि आंदोलन को अपने हाथ में ले लें। राजनीति चमकाने के लिए हर कोई अब इसमें हाथ सेंकने में आगे आ रहा है।

बीडीए ने 10 दिन पहले ही ये कार्रवाई शुरू की थी। शुरू में किसी प्रतिनिधि ने बीडीए को नहीं रोका मगर जैसे ही बीडीए ने बड़े भूमाफियाओं की कारगुजारियों पर बुलडोजर चलाना शुरू किया तो नेता सक्रिय हो गए। एक दिन पहले ही एक विधायक ने कलेक्टर को फोन कर कार्रवाई रोकने के लिए कहा। उससे पहले एक दूसरी पार्टी के प्रतिनिधि ने आंदोलन को हाथ में लेने की कोशिश की थी। दो बड़ी पार्टियों के उभरते चेहरे भी आंदोलन को छोड़ना नहीं चाहते चाहे वो सही हो या गलत। वे ये भी पता नहीं कर रहे कि आखिर जिनकी अगुवाई कर रहे सही मायने में उनके साथ बीडीए गलत कर रहा है या बीडीए सरकारी जमीन से कब्जा हटा रहा है।

- सेवा संघ की मांगों पर सुनवाई के लिए कमेटी गठित होगी

एक विधायक के हस्तक्षेप से उनकी बीडीए प्रशासन से वार्ता भी हुई। बीडीए कमिश्नर अपर्णा गुप्ता का कहना है कि अब तक कोई मकान नहीं गिराया गया। जिसने सरकारी जमीन पर बोर्ड लगाया या चारदीवारी की उसे हटाया फिर विरोध क्यों। जिसने लोगों को गलत जगह जमीन दे दी। कायदे से लोगों को वहां जमीन खरीदने से बचने के साथ ही विक्रेता के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराना चाहिए। सर्व कामगार सेवा संघ की ज्यादातर मांगें नीतिगत होने पर बीडीए ने कमेटियां बनाकर निस्तारण करने पर सहमति जताई। अगर किसी विक्रेता ने किसी को खुद की जमीन दिखाकर कब्जा सरकारी जमीन पर दिलाया तो उस मालिक के साथ ही पटवारी, गिरदावर और अन्य सरकारी कर्मचारियों की मिलीभगत की जांच कर उनके खिलाफ कार्रवाई हो।

शिक्षक सम्मान समारोह आज

बीकानेर, (कासं)। शिक्षक संघ एलीमेंट्री सैकण्डरी टीचर एसोसिएशन (रेसटा) राजस्थान द्वारा 17 जून मंगलवार को प्रात 9:30 बजे रविन्द्र रंगमंच बीकानेर में जिले भर के मेधावी विद्यार्थियों के लिए कैरियर गाइडेंस व कक्षा 10 एवं 12 वीं बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम देने वाले विद्यार्थियों को विद्यार्थी गौरव एवं शिक्षकों को शिक्षक रत्न सम्मान से सम्मानित किया जायेगा।

संघ के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद ने बताया कि सम्मान समारोह में विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञों एवं शिक्षाविदों द्वारा कैरियर गाइडेंस के बारे में जानकारी दी जायेगी। गूगल लिंक से प्राप्त आवेदनों में से विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का मेरिट के आधार पर चयन जिला कार्यकारणी की कमेटी द्वारा किया गया है। सम्मान समारोह की व्यवस्था में सीताराम डूडी, गोपाल शर्मा, पवन शर्मा, संजीव कुमार यादव, हनुमान शर्मा, सुनील शर्मा आदि को जिम्मेदारी दी।

विमान हादसा, अभिनव का शव नहीं मिला

बीकानेर, (कासं)। अहमदाबाद विमान हादसे के शिकार हुए बीकानेर के अभिनव परिहार का शव अब तक नहीं मिला है। अभिनव का शव लेने के लिए परिजन पिछले चार दिन से इंतजार कर रहे हैं। शव मिलने पर अहमदाबाद में ही अंतिम संस्कार किया जायेगा।

अभिनव के रिश्तेदार और श्रीडूंगरगढ़ निवासी करण जाड़ीवाल ने बताया कि डीएनए टेस्ट के लिए सैम्पल दिए जा चुके हैं लेकिन अब तक प्रशासन की ओर से शव मिलने की पुष्टि नहीं हुई है। अब तक महज 40 लोगों को ही शव दिए गए हैं, जिसमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का शव भी सौंपा गया है। डीएनए टेस्ट के बाद से परिजन लगातार प्रशासन के संपर्क में है। प्रशासन का कहना है कि शव एक दिन में भी मिल सकता है और दो-चार दिन लग भी सकते हैं। अभिनव अपनी पत्नी शिवानी और बेटे विहान को लेने के लिए लंदन जा रहे थे। हादसे की खबर मिलने पर पत्नी और बेटे लंदन से भारत के लिए रवाना हो गए थे। पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। फिलहाल वो किसी से बात करने की स्थिति में नहीं है। अभिनव बीकानेर के मुख्य डाकघर के पास रहते हैं। उनके पिता अर्से से अहमदाबाद में ही रहते हैं लेकिन परिवार के अन्य सदस्य बीकानेर में रहते हैं। उसका ननिहाल श्रीडूंगरगढ़ में है। पूर्व विधायक किशनाराम नाई के दोहिते अभिनव के रिश्तेदार श्रीडूंगरगढ़ से भी अहमदाबाद पहुंच गए हैं।

- पूर्व विधायक किशनाराम नाई के दोहिते अभिनव का शव अभी तक नहीं मिला

बादल छाए पर बारिश नहीं, पारा लुढ़का

बीकानेर, (कासं)। यहां मौसम ने करवट ली है। 45 डिग्री से अधिक चल रहा तापमान सोमवार दोपहर तक 35 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया। बीती रात बीकानेर में प्रदेश का सबसे कम तापमान 29.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रविवार को जहां पारा 40 डिग्री तक पहुंचा था। वहीं सोमवार को अधिकतम तापमान 36 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है।

सोमवार सुबह से बादलों का जमावड़ा रहा लेकिन बारिश नहीं हुई। रविवार देर रात से सुबह तक एक-दो बार हल्की फुहार पड़ी। श्रीडूंगरगढ़, लूणकरनसर, महाजन, अरजनसर, नोखा, कोलायत और बज्जू सहित पूरे जिले में तापमान गिरने से लोगों को गर्मी से राहत मिली है।

- 45 डिग्री से अधिक चल रहा तापमान सोमवार दोपहर तक 35 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया

मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार और बुधवार को तापमान में बढ़ोतरी होगी। बीकानेर में पारा 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। हालांकि श्रीडूंगरगढ़ और नोखा के कुछ क्षेत्रों में तापमान कम रह सकता है। पड़ौसी जिला श्रीगंगानगर में भी तापमान 43 डिग्री से भी ऊपर जा सकता है।

मुमुक्षु मोहक का अभिनंदन समारोह

बीकानेर, (कासं)। मुमुक्षु मोहक बैताला के अभिनन्दन समारोह में उग्रविहारी तपोमूर्ति मुनि कमल कुमार स्वामी ने अपने उद्बोधन में कहा कि वैराग्य का आना उच्च क्षयोक्षम के कारण ही संभव है।

राग से वितरागता की ओर आगे बढ़ने का मार्ग है दीक्षा। मोहक बहुत विनीत है। अच्छा विचारक है। भौतिकता के इस युग में छोटी वय में जैन भागवत दीक्षा लेना बहुत ही मनोबल व संकल्प शक्ति का परिचायक है। मुनि ने कहा कि आज पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव से समाज में अनेक विकृतियां आ रही है। संस्कारों का हनन हो रहा है। जन्म दिवस के कार्यक्रम में केक काटना सिखा रहे हैं जो हमारी संस्कृति के विरूद्ध है।

खाजूवाला तंत्र-मंत्र हत्या व लूट के मामले में नया खुलासा

बीकानेर, (कासं)। जिले के खाजूवाला में तांत्रिक क्रिया करके पचास लाख रूपए की लूट और तीन जनों की हत्या के मामले में अब नया खुलासा हो गया है। जिस गफ्फार के घर पर तंत्र-मंत्र किया गया था। उसी के बेटे की कार से पुलिस ने चालीस लाख रूपए बरामद कर लिए हैं, जबकि दस लाख रूपए का अभी पता लगाया जा रहा है।

इस मामले में अब जोधपुर निवासी रामस्वरूप और झारखंड निवासी मनोज के बयान का इंतजार हो रहा है। ये दोनों फिलहाल पीबीएम अस्पताल में भर्ती है। एडिशनल एसपी (ग्रामीण) कैलाश सिंह सांदू ने बताया कि सलमान की कार की डिग्गी से चालीस लाख रूपए बरामद हुए हैं। मृतक गफ्फार के परिजनों से अब पूछताछ की जा रही है। तांत्रिक के बारे में भी पता लगाया जा रहा है। तीनों मृतकों के पोस्टमार्टम की रिपोर्ट भी अब तक पुलिस को नहीं मिली है।

रामस्वरूप और मनोज के पूरी तरह ठीक होने के बाद उनके बयान लिए जायेंगे। इसके बाद ही स्पष्ट होगा कि पूरा मामला क्या है। अब ये भी संदिग्ध हो गया है कि एम. शिवा नाम का कोई तांत्रिक है या नहीं। गफ्फार के बेटे से ही चालीस लाख रूपए बरामद होने के बाद इस पूरे मामले में नया मोड़ आ गया है। सलमान ने ही कहा था कि पचास लाख रूपए लेकर एम. शिवा फरार हो गया है। अब उसी से चालीस लाख रूपए बरामद होने से उसकी भूमिका पर सवाल खड़े हो गए हैं। इसलिए पुलिस सलमान के साथ ही उसकी बहन शबनम, बहनोई मुश्ताक, बहन का ससुर अब्दुल रहमान, मौसा यार मोहम्मद सहित अन्य परिजनों से भी पूछताछ शुरू कर दी है।

- मृतक गफ्फार के बेटे से पुलिस ने बरामद किए चालीस लाख रूपए, तांत्रिक का गायब होना संदिग्ध

योग आज की जीवनशैली में तनाव और रोगों से मुक्ति का बेहतरीन उपाय : रामावत

बीकानेर, (कासं)। महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के योग विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में सोमवार को प्रात: 8 बजे 'योग समावेश' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की थीम योग : एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य पर हुआ।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त निदेशक संभाग डॉ. घनश्याम रामावत और आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक डॉ. प्रभुदयाल जाट थे। विशिष्ट अतिथि डॉ. घनश्याम रामावत ने कहा कि योग आज की जीवनशैली में तनाव और रोगों से मुक्ति का बेहतरीन उपाय है। आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक डॉ. प्रभुदयाल जाट ने विद्यार्थियों को योग दिवस को सफल बनाने के लिए मार्गदर्शित किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय में सहायक निदेशक संभाग डॉ जितेन्द्र सिंह भाटी ने योग समावेश के बारे में विद्यार्थियों को बताया।

सहायक निदेशक संभाग डॉ जितेन्द्र सिंह भाटी ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में योग समावेश के बारे में विद्यार्थियों को बताया। कार्यक्रम रेनबो योगा के अंतर्गत भारत स्वाभिमान से नंदकिशोर सोलंकी, नंदलाल सुथार, भवानी सांखला, शुभम स्वामी और नन्हें बच्चों ने मुख्य भूमिका निभाई।

इस दौरान योग सत्र में डॉ. हितेन्द्र मारू, प्रियंका रघुवंशी एवं सपना बेरवाल ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासनों, प्राणायाम और ध्यान तकनीकों का अभ्यास करवाया। यशोवर्धिनी पुरोहित ने संस्कृत श्लोकों, योग-सूत्रों और प्रेरक वचनों के माध्यम से समस्त आयोजन को जीवंत बनाया।

- सभी प्रतिभागियों को स्वस्थ जीवनशैली में योग को अपनाने का संकल्प दिलाया

छात्रों, सदस्यों सहित अन्य प्रतिभागियों ने योग सत्र में भाग लिया और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव किया। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। डॉ. हितेन्द्र मारू और डॉ. धर्मेश हरवानी ने आभार व्यक्त किया। और सभी प्रतिभागियों को स्वस्थ जीवनशैली में योग को अपनाने का संकल्प दिलाया।

निर्धारित समय पर हों योग दिवस समारोह की तैयारियां : एडीएम

बीकानेर, (कासं)। साप्ताहिक समीक्षा बैठक सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। अतिरिक्त जिला कलेक्टर (नगर) रमेश देव ने योग दिवस की तैयारियों के संबंध में विभागीय अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर करने के निर्देश दिए, जिससे योग दिवस का कार्यक्रम वृहद स्तर पर आयोजित किया जा सके।

उन्होंने कहा कि समस्त विभागीय अधिकारी योग संगम पोर्टल पर पंजीकरण करवाएं। साथ ही अन्य संस्थाओं को भी पंजीयन के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने बताया कि समस्त कार्यालयों, विद्यालयों सहित अन्य स्थानों पर योग दिवस से संबंधित पोस्टर एवं पंपलेट चस्पा किए जायेंगे। जिला एवं ब्लॉक मुख्यालय स्तरीय समारोह में अधिकाधिक जन भागीदारी सुनिश्चित की जाएं।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने विद्युत विभाग को बिजली संबंधित रखरखाव कार्यों को प्रात:काल के समय करने को कहा जिससे आमजन को दिन के समय बिजली कटौती से होने वाली परेशानियों से बचाया जा सके। उन्होंने नगर निगम द्वारा करवाए जा रहे नालों की साफ-सफाई सहित दुरुस्तीकरण कार्यों की प्रगति समीक्षा की और कहा कि बारिश के दिनों में सड़कों पर होने वाले जलभराव को रोकने के लिए नगर निगम की ओर से प्रभावी प्रयास किया जाए। शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत चिकित्सा, पुलिस, नगर निगम की संयुक्त टीमें गठित करने के निर्देश दिए।

योग दिवस की तैयारियों की समीक्षा एडीएम सिटी रमेश देव ने की।